RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENSE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
सितम्बर
07
2024

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defense News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors
13. Index

By Ankit Avasthi Sir

7वें 'एम्युनिशन कम टॉरपीडो कम मिसाइल बार्ज, LSAM 21 (यार्ड 131)' का सफल लॉन्च

5 सितंबर, 2024 को **भारतीय नौसेना** के लिए एक महत्वपूर्ण दिन रहा। ठाणे स्थित **मेसर्स सूर्यदीप्त प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड (एसपीपीएल) की लॉन्च साइट** पर 11 एक्स एसीटीसीएम बार्ज प्रोजेक्ट के तहत **7वें बार्ज 'एम्युनिशन कम टॉरपीडो कम मिसाइल बार्ज, एलएसएएम 21 (यार्ड 131)'** का सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया।

रक्षा मंत्रालय और मेसर्स सूर्यदीप्त प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के बीच अनुबंध :

- ✓ 11 एक्स एसीटीसीएम बार्ज परियोजना के निर्माण के लिए अनुबंध 05 मार्च 2021 को **रक्षा मंत्रालय और मेसर्स सूर्यदीप्त प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, ठाणे** के बीच हस्ताक्षरित हुआ था।
- ✓ इन बार्ज की उपलब्धता से भारतीय नौसेना की संचालन क्षमता में वृद्धि होगी, जिससे नौसेना के जहाजों को **जेटी और बाहरी बंदरगाहों पर गोला-बारूद व अन्य सामग्रियों के लोडिंग और अनलोडिंग** की सुविधा मिलेगी।

स्वदेशी डिजाइन और निर्माण: आत्मनिर्भर भारत की ओर एक कदम

- ये बार्ज नौसेना के नियमों और भारतीय शिपिंग रजिस्टर के विनियमन के तहत **स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित** किए गए हैं।
- इनके डिजाइन के दौरान बार्ज के मॉडल **का परीक्षण नौसेना विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला, विशाखापत्तनम** में किया गया था।
- यह परियोजना **मेक इन इंडिया पहल को मजबूती** प्रदान करती है और भारतीय आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

एम्युनिशन कम टॉरपीडो कम मिसाइल बार्ज के बारे में :

एम्युनिशन कम टॉरपीडो कम मिसाइल बार्ज एक विशिष्ट प्रकार का जहाज है जो नौसेना के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसे इस तरह डिजाइन किया जाता है कि यह बड़ी मात्रा में **गोला-बारूद, टॉरपीडो और मिसाइलों** को ले जा सके। ये बार्ज युद्ध के समय नौसेना के जहाजों को आवश्यक युद्ध सामग्री की आपूर्ति करने का काम करते हैं।

प्रमुख विशेषताएं:

- **बहुउद्देश्यीय:** ये बार्ज न केवल गोला-बारूद बल्कि अन्य प्रकार के युद्ध सामग्री जैसे कि ईंधन, खाद्य पदार्थ आदि को भी ले जा सकते हैं।
- **उच्च भार क्षमता:** इन बार्जों में काफी अधिक भार क्षमता होती है, जिससे वे बड़ी मात्रा में युद्ध सामग्री को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जा सकते हैं।
- **सुरक्षा:** इन बार्जों को इस तरह से डिजाइन किया जाता है कि वे युद्ध के दौरान सुरक्षित रह सकें। इनमें आधुनिक सुरक्षा उपकरण और संचार प्रणाली होती है।

भारतीय नौसेना के बारे में संक्षिप्त तथ्य

- भारतीय नौसेना की **स्थापना 1612 में ईस्ट इंडिया कंपनी** द्वारा की गई थी।
- भारतीय नौसेना के **सर्वोच्च कमांडर भारत के राष्ट्रपति** होते हैं।
- भारतीय नौसेना का आदर्श वाक्य है- **'शं नो वरुण:'**, जिसका अर्थ है 'जल के देवता वरुण हमारे लिए शुभ हों।'
- वर्ष 1961 में गोवा को पुर्तगाल से मुक्त कराने के अभियान में भी भारतीय नौसेना का महत्त्वपूर्ण योगदान था।
- परमाणु शक्ति से लैस बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी **'आईएनएस अरिहंत'** और कई अन्य जहाजों के निर्माण के साथ नौसेना एक सशक्त बल के रूप में उभरी है।
- यह पनडुब्बियों के तीन वर्गों - **चक्र, सिंधुघोष और शिशुमार** का संचालन करती है।

मरीन कमांडो (मार्कोस) भारतीय नौसेना की विशेष बल इकाई है, जो युद्ध, आतंकवाद विरोधी, विशेष अभियानों, बंधक बचाव और असममित युद्ध के लिए प्रशिक्षित है।

भारतीय तटरक्षक ने एशियाई तटरक्षक एजेंसियों के प्रमुखों की 20वीं बैठक में भाग लिया

भारतीय तटरक्षक (ICG) ने **03 से 04 सितंबर, 2024 तक दक्षिण कोरिया के इंचियोन** में आयोजित **एशियाई तटरक्षक एजेंसियों के प्रमुखों की 20वीं बैठक (HACJEM)** में भाग लिया। इस महत्वपूर्ण बैठक के दौरान **समुद्री सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और अवैध तस्करी** जैसे प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की गई।

HACJEM में चर्चा के प्रमुख मुद्दे:

बैठक में **समुद्री कानून प्रवर्तन, समुद्र में जीवन की सुरक्षा, समुद्री पर्यावरण संरक्षण, मादक पदार्थों और हथियारों की अवैध तस्करी, मानव तस्करी, और भविष्य के सहयोग** जैसे विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया गया।

द्विपक्षीय बैठक का आयोजन:

- ✓ HACJEM के अवसर पर, **आईसीजी और कोरिया तटरक्षक** के बीच 04 सितंबर, 2024 को 12वीं वार्षिक द्विपक्षीय बैठक भी आयोजित की गई।
- ✓ यह बैठक मार्च 2006 में दोनों एजेंसियों के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के तहत हुई थी।
- ✓ बैठक में **समुद्री खोज और बचाव, प्रदूषण प्रतिक्रिया, और कानून प्रवर्तन** के क्षेत्रों में परिचालन-स्तरीय बातचीत और क्षमता निर्माण पर जोर दिया गया।

HACJEM का उद्देश्य और सदस्य:

- HACJEM का मुख्य उद्देश्य **क्षेत्र में सुरक्षित, संरक्षित और स्वच्छ समुद्र को सुनिश्चित करना और एशियाई राज्यों के तट रक्षकों के बीच सहयोग** को बढ़ावा देना है।
- यह एक स्वतंत्र मंच है जिसमें **23 सदस्यीय तट रक्षक एजेंसियाँ** शामिल हैं।
- **इसमें दो सहयोगी सदस्य भी हैं:** एशिया में जहाजों के खिलाफ **समुद्री डाकुओं और सशस्त्र लूटपाट से निपटने के लिए क्षेत्रीय सहयोग समझौता (रीकैप)** और **ड्रग्स और अपराध पर संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (यूएनओडीसी)।**

भारतीय तटरक्षक (ICG) की भूमिका और योगदान:

- **भारतीय तटरक्षक (ICG) तलाश और बचाव कार्य समूह का अध्यक्ष है** और अन्य कार्य समूहों का सक्रिय सदस्य भी है। ये कार्य समूह पर्यावरण संरक्षण, समुद्र में गैरकानूनी कृत्यों पर नियंत्रण, और सूचना साझाकरण के क्षेत्रों में केंद्रित और लक्ष्य-उन्मुख दृष्टिकोण को सक्षम करते हैं।

भारतीय तटरक्षक (ICG) के बारे में

भारतीय तटरक्षक (ICG) भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अधीन एक अर्धसैनिक बल है। इसका मुख्य उद्देश्य भारत की **समुद्री सीमाओं की सुरक्षा करना, समुद्री प्रदूषण को रोकना और समुद्री आपदाओं** से निपटना है।

ICG की स्थापना और उद्देश्य:

- **स्थापना:** भारतीय तटरक्षक का **गठन 1976** में हुआ था।
- **उद्देश्य:**
  - भारत की समुद्री सीमाओं की सुरक्षा करना।
  - समुद्री प्रदूषण को रोकना और नियंत्रित करना।
  - समुद्री आपदाओं से निपटना और राहत कार्य करना।
  - समुद्री अपराधों को रोकना और पकड़ना।
  - समुद्री संसाधनों का संरक्षण करना।

भारत की पहली फैशन पूर्वानुमान पहल 'विज़ियो एनएक्सटी' का शुभारंभ-

केंद्रीय वस्त्र मंत्री श्री गिरिराज सिंह ने **राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (NIFT)** के द्विभाषी वेब पोर्टल **'विज़ियो एनएक्सटी फैशन पूर्वानुमान पहल'** और **भारत-विशिष्ट फैशन ट्रेंड बुक 'परिधि 24x25'** का शुभारंभ किया। इस पहल का उद्देश्य भारतीय फैशन उद्योग को नवीनतम प्रवृत्तियों और पूर्वानुमानों से अवगत कराना है।

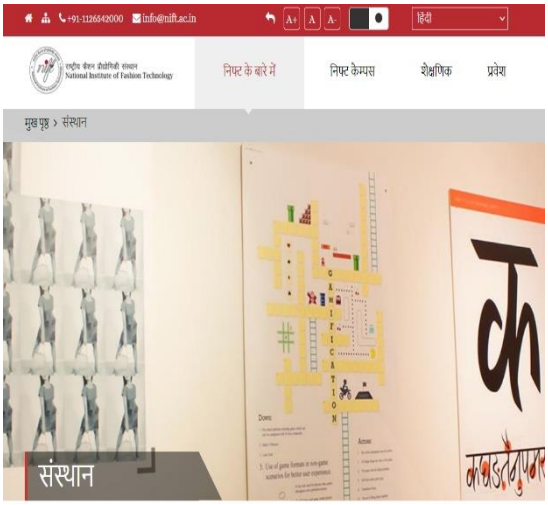

विज़ियो एनएक्सटी की स्थापना -

- ✓ विज़ियो एनएक्सटी की कल्पना और **स्थापना वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से 2018** में की गई थी।
- ✓ यह पहल भारतीय फैशन और खुदरा बाजार के लिए ट्रेंड अंतर्दृष्टि और पूर्वानुमान प्रदान करने पर केंद्रित है।

विज़ियो एनएक्सटी का उद्देश्य और सेवाएँ:

- **विज़ियो एनएक्सटी, आर्टिफिशियल इंटैलिजेंस (एआई) और इमोशनल इंटैलिजेंस** (ईआई) को मिलाकर फैशन ट्रेंड्स की पहचान और विश्लेषण करता है।
- इसका उद्देश्य भारत की **सांस्कृतिक विविधता और सामाजिक-आर्थिक बारीकियों** को ध्यान में रखते हुए **भू-विशिष्ट ट्रेंड्स** की पहचान करना है।
- यह पहल **बुनकरों, निर्माताओं, खुदरा विक्रेताओं, घरेलू व्यवसायों, डिजाइनरों और फैशन ब्रांडों** के सहयोग से फैशन ट्रेंड्स का पूर्वानुमान करती है।

डीपविज़न: भविष्यवाणी मॉडल:

- विज़ियो एनएक्सटी ने **"डीपविज़न"** नामक एक भविष्यवाणी मॉडल विकसित किया है, जो **भारतीय फैशन रुझानों को डिकोड करने और व्याख्या** करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- यह मॉडल कनवल्शनल न्यूरल नेटवर्क आर्किटेक्चर का उपयोग करके उत्पाद विशिष्टताओं की पहचान करता है, जैसे कि वस्त्र का प्रकार, रंग, और अन्य विशेषताएँ।
- इसके परिणामस्वरूप व्यापक रिपोर्ट तैयार की जाती है जो डिज़ाइन और रंग निर्देशों को समाहित करती है।

आर्टिफिशियल इंटैलिजेंस और मशीन लर्निंग का उपयोग:

- इस पहल में एक अग्रणी एआई डीप लर्निंग मॉडल शामिल है जो **60 से अधिक भारतीय और 40 पश्चिमी परिधान श्रेणियों** की पहचान करता है।
- इसमें **280,000 से अधिक माध्यमिक छवि डेटा और 70,000 से अधिक प्राथमिक परिधान छवियों** का डेटासेट शामिल है, जिससे शैली, रंग और क्षेत्रीय लहजे में पैटर्न की पहचान की जाती है।

राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (NIFT)

राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (NIFT) भारत में फैशन शिक्षा का एक अग्रणी संस्थान है। यह भारत सरकार के **वस्त्र मंत्रालय के अधीन** आता है और देश में फैशन डिजाइन, प्रबंधन और वस्त्र निर्माण तकनीकी के शिक्षण एवं अनुसंधान का केंद्र है।

NIFT की स्थापना और उद्देश्य

- **स्थापना:** वर्ष **1986** में भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय ने राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (NIFT) की एक शीर्ष संस्थान के रूप में स्थापना की।
- **उद्देश्य:**
  - फैशन उद्योग के लिए कुशल मानव संसाधन तैयार करना।
  - भारतीय हस्तशिल्प और हथकरघा उद्योग को बढ़ावा देना।
  - फैशन शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में नए मानक स्थापित करना।

"देश का प्रकृति परीक्षण अभियान" की शुरुआत -

आयुष मंत्री श्री जाधव ने सभी नागरिकों के स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती पर केंद्रित एक प्रमुख राष्ट्रव्यापी अभियान **"देश का प्रकृति परीक्षण अभियान"** की शुरुआत की।

- ✓ इस अभियान की जिम्मेदारी **भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग** को सौंपी गई है।
- ✓ प्रकृति की जानकारी से आम नागरिक अपनी दिनचर्या और ऋतुचर्या में छोटे-छोटे बदलाव करके स्वस्थ रह सकते हैं।
- ✓ इस दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए, यह अभियान देश को सकारात्मक स्वास्थ्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

एक करोड़ नागरिकों का प्रकृति परीक्षण:

- इस अभियान के तहत, देशभर में **एक करोड़ से अधिक नागरिकों का प्रकृति परीक्षण** किया जाएगा।
- इसके लिए **आयुर्वेद महाविद्यालयों के 1,35,000 विद्यार्थी, 20,000 स्नातकोत्तर विद्यार्थी, 18,000 अध्यापक, और तीन लाख चिकित्सक, कुल मिलाकर साढ़े चार लाख लोगों** को प्रकृति परीक्षण स्वयंसेवक के रूप में नियुक्त किया जाएगा।
- ये स्वयंसेवक घर-घर जाकर लोगों की प्रकृति का परीक्षण करेंगे। इस अभियान के माध्यम से आयुर्वेद के प्रति जन सामान्य का रुझान बढ़ेगा और आयुर्वेद की अर्थव्यवस्था को भी गति मिलेगी।

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के पांच विश्व कीर्तिमान:

- इस अभियान के माध्यम से **गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के पांच विश्व कीर्तिमान** स्थापित करने का संकल्प लिया गया है।
- इसके लिए एक **विशेष एप भी विकसित** किया गया है, जिसे अभियान की शुरुआत में लॉन्च किया जाएगा।
- यह अभियान देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के **"हर-घर, जन-जन आयुर्वेद"** के सपने को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स का इतिहास -

- गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की **शुरुआत 1955 में आयरलैंड** में हुई थी। दो भाइयों, **क्रिस और रॉस मैक्वायर** ने शिकार के दौरान एक बहस के बाद यह विचार दिया था कि यूरोप में सबसे तेज उड़ने वाला पक्षी कौन सा है। इस बहस के बाद उन्होंने गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड्स नामक एक किताब प्रकाशित की, जिसमें दुनिया भर के विभिन्न रिकॉर्ड्स को शामिल किया गया था।

आयुष मंत्रालय:

आयुष मंत्रालय भारत सरकार का एक महत्वपूर्ण मंत्रालय है जिसका **मुख्य उद्देश्य आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी** जैसी भारत की प्राचीन चिकित्सा पद्धतियों को बढ़ावा देना और उन्हें आधुनिक चिकित्सा के साथ एकीकृत करना है।

आयुष मंत्रालय के प्रमुख उद्देश्य:

- **आयुष पद्धतियों का वैज्ञानिक अध्ययन:** आयुष पद्धतियों के वैज्ञानिक आधार को समझने और उन्हें आधुनिक चिकित्सा के साथ एकीकृत करने के लिए शोध और विकास को प्रोत्साहित करना।
- **आयुष शिक्षा का विकास:** आयुष संस्थानों को मजबूत बनाना और आयुष चिकित्सकों का प्रशिक्षण देना।
- **आयुष उत्पादों का मानकीकरण:** आयुष उत्पादों की गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मानक निर्धारित करना।
- **आयुष सेवाओं का विस्तार:** ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में आयुष सेवाओं का विस्तार करना।
- **आयुष पर्यटन को बढ़ावा देना:** भारत को आयुष पर्यटन का केंद्र बनाने के लिए प्रयास

आयुष के लिए राष्ट्रीय एक्जिट टेस्ट (राष्ट्रीय एक्जिट टेस्ट -NExT) 2021-2022 बैच से प्रभावी होगा

केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री प्रतापराव जाधव ने घोषणा की कि **आयुष (आयुर्वेद, यूनानी, योग और होम्योपैथी चिकित्सा)** के लिए **राष्ट्रीय एक्जिट टेस्ट (NExT) 2021-2022 बैच** से प्रभावी होगा।

राष्ट्रीय एक्जिट टेस्ट (NExT) का उद्देश्य:

- ✓ इस परीक्षा का उद्देश्य **आयुष शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा मानकों की गुणवत्ता** बनाए रखना और निष्पक्ष तथा पारदर्शी प्रक्रिया सुनिश्चित करना है।
- ✓ **राष्ट्रीय एक्जिट टेस्ट (NExT), NCISM अधिनियम 2020** के तहत **राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा पद्धति आयोग द्वारा शुरू** की गई एक महत्वपूर्ण परीक्षा है।
- ✓ यह आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी और सोवा-रिग्पा में स्नातकों के लिए नैदानिक योग्यता, चिकित्सा नैतिकता और चिकित्सा-कानूनी मामलों की समझ का आकलन करने के लिए डिज़ाइन की गई है।

राष्ट्रीय एक्जिट टेस्ट (NExT) का परीक्षा की विशेषताएँ:

- यह निर्णय छात्रों की चिंताओं की समीक्षा के लिए गठित **समिति की सिफारिश** पर लिया गया है।
- समिति ने सिफारिश की है कि NCISM और NCH अधिनियम, 2020 के **तहत 2021-22 शैक्षणिक सत्र में नामांकित छात्रों पर राष्ट्रीय एक्जिट टेस्ट (NExT) लागू** किया जाएगा।
- यह परीक्षा **एक साल की इंटर्नशिप** पूरी करने के बाद **लाइसेंस और राज्य या राष्ट्रीय रजिस्टर में नामांकन** के लिए अनिवार्य होगी।
- राष्ट्रीय एक्जिट टेस्ट (NExT) एक समस्या-आधारित परीक्षा है जिसमें **व्यावहारिक कौशल** का मूल्यांकन करने के लिए **नैदानिक मामले के परिदृश्य, चित्र और वीडियो** शामिल हैं।
- यदि छात्र अपनी **इंटर्नशिप पूरी नहीं** करते हैं लेकिन **राष्ट्रीय एक्जिट टेस्ट (NExT) में उत्तीर्ण** होते हैं, तो वे इंटर्नशिप पूरी करने के बाद ही **पंजीकरण** के लिए पात्र होंगे।

समिति की सिफारिशें और कार्यान्वयन:

- यह घोषणा आयुष पाठ्यक्रम के छात्रों की ओर से राष्ट्रीय एक्जिट टेस्ट (NExT) के कार्यान्वयन के संबंध में विभिन्न अभ्यावेदन प्राप्त होने के बाद की गई है।
- NCISM और NCH की नेक्स्ट परीक्षा के मुद्दे पर **बीएएमएस/बीएचएमएस के छात्रों के प्रतिनिधियों** ने केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री के साथ बातचीत की थी।
- NCISM अधिनियम 2020 और NCH अधिनियम 2020 के प्रावधानों के अनुसार, इन अधिनियमों के लागू होने की तिथि से **तीन वर्षों के भीतर राष्ट्रीय एक्जिट टेस्ट (NExT) आयोजित** किया जाना आवश्यक है।

आयुर्वेद, यूनानी, योग और होम्योपैथी चिकित्सा

आयुर्वेद, यूनानी, योग और होम्योपैथी ये सभी प्राचीन चिकित्सा पद्धतियाँ हैं जो मानवता को सदियों से स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रही हैं।

- **आयुर्वेद :** आयुर्वेद को **आयु (जीवन) और वेद (ज्ञान) शब्दों** से मिलकर बना है। यह भारत की सबसे प्राचीन चिकित्सा पद्धतियों में से एक है। यह रोगों के इलाज के लिए **जड़ी-बूटियों, खान-पान और जीवनशैली** में बदलाव पर जोर देता है।
- **यूनानी चिकित्सा :** यूनानी चिकित्सा का मूल **यूनान** में है। यह आयुर्वेद के समान ही **शरीर, मन और आत्मा** को एक इकाई मानती है। यूनानी चिकित्सा में रोगों के इलाज के लिए **जड़ी-बूटियों, खनिजों और जानवरों** से प्राप्त पदार्थों का उपयोग किया जाता है।
- **योग :** योग सिर्फ व्यायाम ही नहीं है, बल्कि यह एक जीवन शैली है। योग में विभिन्न प्रकार के **आसन, प्राणायाम और ध्यान** शामिल हैं।
- **होम्योपैथी :** होम्योपैथी एक वैकल्पिक चिकित्सा पद्धति है जो **"समान को समान से"** के सिद्धांत पर आधारित है। इस सिद्धांत के अनुसार, किसी बीमारी का इलाज उसी पदार्थ से किया जाता है जो स्वस्थ व्यक्ति में उसी बीमारी के लक्षण पैदा कर सकता है।

राष्ट्रीय सुशासन केन्द्र (NCGG) ने पहला अग्रिम नेतृत्व विकास कार्यक्रम शुरू किया-

राष्ट्रीय सुशासन केन्द्र (NCGG) ने सार्वजनिक नीति और सुशासन पर अपने पहले अग्रिम नेतृत्व विकास कार्यक्रम की शुरुआत की है, जो **लैटिन अमेरिकी और कैरेबियाई देशों** के लिए विशेष रूप से डिज़ाइन किया गया है।

- ✓ यह दो सप्ताह का कार्यक्रम **2 से 13 सितंबर 2024 तक आयोजित** किया जा रहा है, जिसमें **10 देशों के 22 सिविल** सेवक भाग ले रहे हैं।
- ✓ शामिल देशों में **अर्जेंटीना, कोस्टारिका, अल साल्वाडोर, गुयाना, होंडुरास, जमैका, पैराग्वे, पेरू, सेंट किट्स एंड नेविस और सूरीनाम** शामिल हैं।

कार्यक्रम की विशेषताएँ और उद्देश्य:

- इस कार्यक्रम में **लैटिन अमेरिकी देशों और भारत के शासन मॉडल** में समानताओं पर चर्चा की गई।
- भारत का प्राथमिकता क्षेत्र की योजनाओं के संतृप्ति दृष्टिकोण का **उद्देश्य सर्वांगीण, सर्वव्यापी और सर्व समावेशी विकास मॉडल** को परिभाषित करना है।
- भारत के **"अमृत काल के पंच प्रण"** - गुलामी से मुक्ति, विरासत पर गर्व करना और नागरिकों में एकता और कर्तव्य की भावना - अमृत काल में सुशासन के मूलभूत सिद्धांतों का प्रतिनिधित्व करते हैं।
- इस कार्यक्रम में **अगली पीढ़ी के सुधारों को अपनाने, नागरिकों को सशक्त बनाने, और अंतिम मील तक पहुँचने** पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा, जो विकसित भारत@2047 के प्राथमिकताओं का हिस्सा है।

कार्यक्रम के विषय:

इस दो सप्ताह के कार्यक्रम में कई महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया जाएगा, जैसे:

- आधार कार्ड: सुशासन का एक साधन
- कौशल भारत: नीति और अभ्यास
- 2030 तक सतत विकास लक्ष्य प्राप्त करने का दृष्टिकोण
- दृष्टिकोण @2047
- जीईएम: सरकारी खरीद में पारदर्शिता लाना
- सुशासन और डिजिटल सार्वजनिक सेवा वितरण

प्रतिभागियों **को वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई), जिला प्रशासन गौतम बुद्ध नगर, अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन, राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान, भारत के अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र और चुनाव प्रबंधन संस्थान का अध्ययन दौरा और ताजमहल की विरासत** यात्रा भी कराई जाएगी।

राष्ट्रीय सुशासन केंद्र (NCGG):

राष्ट्रीय सुशासन केंद्र (NCGG) भारत सरकार का एक प्रमुख संस्थान है जिसका मुख्य उद्देश्य देश में सुशासन को बढ़ावा देना है।

- ✓ राष्ट्रीय सुशासन केंद्र (NCGG) की **स्थापना भारत सरकार ने 2014** में की थी।
- ✓ यह एक स्वायत्त संस्थान है, **जो प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग, भारत सरकार** के अधीन कार्य करता है।
- ✓ इसका **मुख्यालय नई दिल्ली** में स्थित है, जबकि इसका **एक शाखा कार्यालय मसूरी** में है।

NCGG के प्रमुख उद्देश्य:

- **सुशासन के सिद्धांतों का प्रसार:** NCGG सुशासन के सिद्धांतों को फैलाने और उन्हें लागू करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करता है।
- **शासन में सुधार:** NCGG विभिन्न सरकारी विभागों की कार्यप्रणाली में सुधार लाने के लिए परामर्श और प्रशिक्षण प्रदान करता है।
- **नवाचार को बढ़ावा देना:** NCGG शासन में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न पहल करता है।
- **नागरिकों की भागीदारी:** NCGG नागरिकों को शासन प्रक्रिया में शामिल करने के लिए विभिन्न मंच प्रदान करता है।
- **अंतर्राष्ट्रीय सहयोग:** NCGG अन्य देशों के साथ सुशासन के क्षेत्र में सहयोग करता है।

"स्वास्थ्य सेवा तक सार्वभौमिक पहुंच: डिजिटल समाधान" विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन

नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) डॉ. वी.के. पॉल ने **"स्वास्थ्य सेवा तक सार्वभौमिक पहुंच: डिजिटल समाधान"** विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया।

- ✓ राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग द्वारा संकल्प फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित तथा नीति आयोग और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा समर्थित एक दिवसीय सम्मेलन में, स्वास्थ्य सेवा और डिजिटल स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी के क्षेत्र के **विशेषज्ञ, सरकारी अधिकारी, नवप्रवर्तक, और नीति निर्माता** एकत्रित हुए।
- ✓ सम्मेलन का उद्देश्य **विशेष रूप से ग्रामीण, दूरदराज और पहाड़ी क्षेत्रों में किफायती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तक सार्वभौमिक पहुंच** को सुनिश्चित करना है।

डिजिटल स्वास्थ्य समाधान के प्रमुख सिद्धांत:

1. **डिजिटल प्रौद्योगिकियों का उपयोग और लाभ:** डिजिटल तकनीकों का उपयोग करते हुए उनके पूर्ण लाभ को सुनिश्चित करना।
2. **डिजिटल विभाजन पर नियंत्रण:** नई प्रौद्योगिकियों जैसे **रोबोटिक्स और एआई** का सृजन करना और **डिजिटल रूप से साक्षर न होने वालों के लिए उपयोग** को आसान बनाना।
3. **समावेशिता और सुरक्षा:** साइबर धोखाधड़ी से बचाव, मानवाधिकारों की सुरक्षा, और लोकतंत्रीकरण को बढ़ावा देना।
4. **इकोसिस्टम का विकास:** डिजिटल समाधानों के माध्यम से जीवन को आसान बनाने के लिए एक समावेशी इकोसिस्टम का निर्माण।
5. **जीवन की गुणवत्ता में सुधार:** पारंपरिक ज्ञान को शामिल करते हुए स्वास्थ्य देखभाल गतिविधियों में तेजी लाना और कल्याण को बढ़ावा देना।

खेल उत्सव 2024

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के **राष्ट्रीय खेल दिवस 2024** समारोह की उपलक्ष्य में, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने **27 अगस्त, 2024 से 30 अगस्त, 2024** तक "खेल उत्सव 2024" का आयोजन किया।

- ✓ यह आयोजन मेजर ध्यानचंद स्टेडियम और जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, नई दिल्ली में हुआ।
- ✓ पहले संस्करण में, चार प्रमुख खेलों - क्रिकेट, हॉकी, बैडमिंटन, और टेबल टेनिस - के टूर्नामेंट आयोजित किए गए।
- ✓ मंत्रालय के 200 से अधिक अधिकारियों और कर्मचारियों ने इस आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- ✓ आगामी संस्करणों में और अधिक खेलों को शामिल करने की योजना है।
- ✓ 4 सितंबर, 2024 को नई दिल्ली स्थित शास्त्री भवन के पत्र सूचना कार्यालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में मेजर ध्यानचंद ट्रॉफी का वितरण समारोह आयोजित किया गया।

मेजर ध्यानचंद के बारे में:

मेजर ध्यानचंद (29 अगस्त 1905 - 3 दिसंबर 1979) भारतीय हॉकी के सबसे महान खिलाड़ी माने जाते हैं।

प्रमुख तथ्य:

- **प्रारंभिक जीवन:** मेजर ध्यानचंद का जन्म इलाहाबाद (अब प्रयागराज) में हुआ था।
- **खेल करियर:** मेजर ध्यानचंद को उनके खेल के दौरान **"हॉकी का जादूगर"** भी कहा जाता था। उन्होंने भारतीय हॉकी टीम के **लिए 1928, 1932, और 1936 के ओलंपिक खेलों में तीन स्वर्ण पदक** जीते। उनके नेतृत्व में भारतीय टीम ने 1936 के बर्लिन ओलंपिक में जर्मनी को हराया और स्वर्ण पदक जीते।
- **विशेषताएँ:** मेजर ध्यानचंद की ड्रिबलिंग और गोल करने की कला उन्हें अन्य खिलाड़ियों से अलग बनाती थी।
- मेजर ध्यानचंद का नाम भारतीय खेल इतिहास में अमर है। उनकी जयंती **29 अगस्त को "राष्ट्रीय खेल दिवस"** के रूप में मनाई जाती है।
- उनके योगदान को सम्मानित करने के लिए विभिन्न खेल आयोजनों और पुरस्कारों का नाम उनके नाम पर रखा गया है, जैसे "मेजर ध्यानचंद ट्रॉफी" और "मेजर ध्यानचंद अवार्ड"।

'देखो अपना देश, पीपुल्स च्वाइस 2024' पहल

पर्यटन मंत्रालय ने **'भारत की जनता'** की प्राथमिकताओं को समझने के लिए पहली बार एक राष्ट्रव्यापी बौद्धिक संपदा (आईपी) पहल **'देखो अपना देश, पीपुल्स च्वाइस 2024'** शुरू की है। इस पहल का उद्घाटन प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 7 मार्च, 2024 को श्रीनगर में किया। इसके लिए **मतदान 15 सितंबर, 2024** तक की जा सकती है।

मतदान का उद्देश्य और श्रेणियाँ:

इस पहल का मुख्य उद्देश्य नागरिकों के साथ मिलकर **भारत के सबसे पसंदीदा पर्यटन स्थलों की पहचान करना** है। मतदान पांच प्रमुख पर्यटन श्रेणियों में आयोजित किया जा रहा है:

1. आध्यात्मिक
2. सांस्कृतिक और विरासत
3. प्रकृति और वन्यजीव
4. साहसिक
5. अन्य

'अन्य' श्रेणी के तहत, मतदाता अपने व्यक्तिगत पसंदीदा स्थान के लिए वोट कर सकते हैं, जिससे अब तक छिपे हुए महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों जैसे सीमावर्ती गांव, वेलनेस टूरिज्म, और वेडिंग टूरिज्म को उजागर किया जा सके।

मतदान प्रक्रिया और पोर्टल:

इस मतदान के लिए एक विशेष पोर्टल उपलब्ध है, जहां उपयोगकर्ता अपने मोबाइल नंबर या ईमेल आईडी के माध्यम से विभिन्न श्रेणियों में मतदान कर सकते हैं।

परिणामों का प्रभाव और मंत्रालय की योजना:

- मतदान के परिणाम **भारत के शीर्ष पर्यटन स्थलों की पहचान** में मदद करेंगे, जिन्हें प्रमुख हितधारकों से समर्थन और निवेश मिलेगा।
- इस पहल के माध्यम से मंत्रालय **सांस्कृतिक स्थलों और परंपराओं के संरक्षण को बढ़ावा** देने का प्रयास कर रहा है, ताकि ये आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रह सकें।
- इसके अलावा, मंत्रालय को **कम ज्ञात पर्यटन स्थलों की जानकारी भी मिलेगी**, जिन्हें लोग लोकप्रिय स्थलों के अलावा देखना पसंद करेंगे।

भारत@2047 की दिशा में योगदान:

इस पहल के साथ, **पर्यटन मंत्रालय भारत@2047 के विकास की दिशा में योगदान** दे रहा है और **'संपूर्ण सरकार'** दृष्टिकोण के माध्यम से, अल्पकालिक और मध्यकालिक विकास के लिए आकर्षक पर्यटन स्थलों की पहचान कर रहा है।

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2024

आज (5 सितंबर, 2024) राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने नई दिल्ली में आयोजित **एक विशेष समारोह** में देशभर के शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार प्रदान किए। यह पुरस्कार उन शिक्षकों को दिया जाता है जिन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में विशेष योगदान दिया है और अपने समर्पण के माध्यम से छात्रों के जीवन को समृद्ध बनाया है।

शिक्षक दिवस:

- ✓ भारत में हर साल **5 सितंबर को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन** की जयंती पर शिक्षक दिवस मनाया जाता है।
- ✓ इस दिन शिक्षकों की **अद्वितीय सेवाओं** को सम्मानित करने के लिए राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं।
- ✓ इस पुरस्कार के अंतर्गत शिक्षकों **को योग्यता प्रमाण पत्र, 50,000 रुपये का नकद पुरस्कार, और एक रजत पदक** दिया जाता है।

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2024:

- शिक्षा मंत्रालय के स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग द्वारा **इस वर्ष 50 शिक्षकों का चयन** किया गया।
- चयन प्रक्रिया **जिला, राज्य, और राष्ट्रीय स्तर पर तीन चरणों** में की गई, जिसमें कठोर पारदर्शी और ऑनलाइन प्रक्रियाओं का पालन किया गया। चुने **गए 50 शिक्षक 28 राज्यों, 3 केंद्र शासित प्रदेशों और 6 विभिन्न संगठनों** से हैं।
- इनमें से **34 पुरुष, 16 महिलाएं, 2 दिव्यांग शिक्षक और 1 सीडब्ल्यूएसएन** के साथ कार्यरत शिक्षक शामिल हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: शिक्षकों के लिए प्रोत्साहन

- **राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020** के तहत छात्रों और संस्थानों की प्रगति के लिए प्रेरित, ऊर्जावान और सक्षम फैकल्टी का महत्त्व बताया गया है।
- नीति के तहत, **2023 में पॉलिटेक्निक और उच्च शिक्षा संस्थानों** के शिक्षकों को भी पुरस्कारों के लिए शामिल किया गया।
- इस वर्ष, **16 शिक्षकों को पॉलिटेक्निक और केंद्रीय उच्च शिक्षा संस्थानों** से चयनित कर सम्मानित किया गया।